

फूल बंगले की अजबु बहारी।
देखो कैसी बनी सुखकारी॥

राबेल गुलाब चम्बेली फूली जाही जुही अलबेली
कंद कलियों की फूली फुलवाड़ी॥

वृजभूमि के फूल नवरंगी सतप्रेम की सुगंधि उमंगी
साई सेवा की धारणा है धारी॥

फूल खम्भे हैं अनुपम सुहाए फूल छज्जे भी मन को लुभाए
बने फूलों के दर ओ दीवारी॥

फूल सिंहा सन बना सुहाना फूल कलियों को यह
मुस्काना

फूल मण्डप में कैसरि क्यारी॥

फूले तोता और मैना रसीली फूले चातक चकोरी नवीली
फूली कोकिल करे किलकारी॥

फूल बंगले में साई बिराजे फूल श्रंगार अंग अंग साजे
लिए गोदी में प्रीतम प्यारी॥

साथ फूलों के मन है फुल—ना हो मुबारक यह समय
सुहाना

सदा फूलो सत संग बहारी॥

फूले अंक में अलबेली जोड़ी फूली फूली करत चित
चोरी

मीठे बोलन मुशकन मन हारी॥

देव फूले फूलन वर्षावे कहि जै जै निशान बजावें
चिरु जीवे मैगसि महितारी॥